

# नाचूँ ओढ़ चुनरिया

नाचूँ ओढ़ चुनरिया लाल के मैया जी दयाल हो गई,  
माँ ने कर दियां मालामाल अरे रे अरे मैं निहाल हो गई,  
नाचूँ ओढ़ चुनरिया लाल के मैया जी दयाल हो गई,

जब से मैंने ओढ़ी चुनरी संकट मिट गये सारे,  
भूल गई दुनिया दारी नाचूँ माँ के द्वारे,  
मेरा मिट गया सब जन जाल, अरे रे अरे मैं निहाल हो गई,  
नाचूँ ओढ़ चुनरिया लाल के मैया जी दयाल हो गई,

कोई कहता पगली मुझको कोई कहे दीवानी,  
माँ के रंग में रंग गई मैं तो इनसे प्रीत पुराणी,  
जग कुछ भी करे सवाल के मैया जी दयाल हो गई,  
माँ ने कर दियां मालामाल अरे रे अरे मैं निहाल हो गई,  
नाचूँ ओढ़ चुनरिया लाल के मैया जी दयाल हो गई,

जिस ने ओढ़ी माँ की चुनरी वो तो मौज उड़ाये,  
बड़े काम की है ये चुनड़ी नरसी ये बतलाये,  
चुनरी ने किया कमाल अरे रे अरे मैं निहाल हो गई,  
नाचूँ ओढ़ चुनरिया लाल के मैया जी दयाल हो गई,

Source: <https://www.bharattemples.com/naachu-odh-chunariyan/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>